# S-261

Total Pages : 3 Roll No. .....

# MASL-505

## वेद एवं निरूक्त भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

2nd Semester Examination, 2022 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 70**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## ( खण्ड-क )

## ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. उपनिषद् में वर्णित विद्या और अविद्या के सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित मन्त्र की सन्दर्भ सहित विस्तृत व्याख्या कीजिए :

हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।

तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।

3. षड्वेदांगों का परिचय देते हुए, उनमें निहित सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. शिक्षा शास्त्र के उद्भव, विकास एवं प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

5. पाणिनि शिक्षा के अनुसार उदात्त, अनुदात्त एवं स्वरित वर्ण भेदों को स्पष्ट कीजिए।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार निष्काम भावपूर्वक कर्म करने के विधान को स्पष्ट कीजिए।

2. उपनिषद् में प्राण विद्या के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. यजुर्वेद एवं अथर्ववेद से सम्बद्ध उपनिषदों का परिचय दीजिए।

4. उपनिषद् के अनुसार भक्ति एवं उपासना के सिद्धान्त को प्रतिपादित कीजिए।

5. भारतीय दर्शन में योगदर्शन के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

6. वेदांगों के अन्तर्गत ज्योतिष विद्या के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. पाणिनि के अनुसार वर्णोच्चारण प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

8. पाणिनि शिक्षा के अनुसार ह्रस्व, दीर्घ एवं प्लुत वर्णोच्चारण प्रकार को स्पष्ट कीजिए।